समर्थन देने के लिये तैयार है इसके लिये कम्युनिस्ट पार्टी का भी जोर है, कांग्रेस पार्टी ने भी डिमांड की है और जनता दल ने भी डिमांड की है और उस इलाके के लोगों ने तो डिमांड की है कि उस क्षेत्र के बहुक्षेत्रीय डेवलपमेंट के लिये यह जरूरी है कि वहां पर एक पेट्रो केमिकल्स कम्प्लेक्स हो। इसके लिये आठ सौ करोड़ एकड़ जमीन ऑलरेडी एक्वायर की जा चुकी है और उसका सर्वे और प्लान आदि सब बन चुके हैं। इसलिये आपके माध्यम से मैं सरकार से यह गुजारिश कर रहा हूं। सरकार कम से कम अपना सौतेली मां का रूप धारण करके कहीं यह न सोचे कि यह इंदिरा गांधी का एक्योरेंस है और राजीव गांधी का एक्योरेंस है, इसलिये इसे यहां पूरा नहीं किया जायेगा। ऐसा . . .

उपसभापति : महिलाओं को बीच में मत लाइये, सौतेला बाप भी होता है। डांट ब्रिंग सौतेली मां एंड सौतेला बाप। हमेशा महिलाओं को बीच में नहीं लाना चाहिये।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : महोदया, इस दुनिया में बच्चा सबसे पहले मां को पहचानता है। बाप का परिचय तो मां बताती है कि बाप कौन है। इसीलिये मां का नाम पहले आता है।

उपसभापति : अच्छाई में लीजिये, बुराई में मत लीजिये।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : मेरा कहने का मतलब सरकार से मेरा ताल्लुक है कि सरकार यह सौतेलापन न दिखाये कि यह राजीव गांधी की अनाउन्समेंट थी, इंदिरा गांधी की अाउन्समेंट थी, इसलिये यह पूरा नहीं होगा। मेरी आपके माध्यम से गुजारिश है कि बरौनी इलाके और बेगूसराय के पिछड़े क्षेत्र के लिये पेट्रो-केमिकल्स कम्पलैक्स को जो डिमांड पेंडिंग पड़ी है उसको पूरा करके वहां के लोगों को धन्य करें। धन्यवाद।

उपसभापति : चतुरानन मिश्रा जी को भी चेयरमन साहब ने परमिट किया है। इसलिये आई विल कॉल हिम नाव।

Reported closure of Barauni Oil Refinery due to non-supply of crude oil

श्री चतुरानन मिश्र (बिहार): उपसभापति महोदया, माननीय सदस्य अहलुवालिया जी ने पट्रोकेमिकल्स बरौनी के बारे में जो कुछ कहा उसका मैं पूर्णतया समर्थन करता हूं। लेकिन मैं जिस बिन्दु पर यह स्पेशल मेंशन कर रहा हूं वह यह है कि बरौनी में जो आयल रिफाइनरी है वह अब टोटल बन्द हो चुकी है और उसकी तीनों यूनिटें बन्द हो गई हैं। असम में जो एजीटेशन चला है, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण एजीटेशन है, उसके कारण वहां से तेल नहीं आ रहा है और इससे सारा राष्ट्र तबाह और चिंतित है। कुवैत में जो घटना घटी है उसके बाद तेल की आपूर्ति कैसे करें यह हमारे लिये चिंता का विषय है। ऐसी हालत में हमारे देश के कुछ लोग हैं जो तेल की आपूर्ति बिल्कुल बन्द कर रहे हैं और परसों से यह टोटली बन्द हो गया है, ऑल दि थ्री यूनिट्स बन्द हो गई हैं लेकिन हमको इस बात की इससे भी ज्यादा चिंता है कि अखबारों में यह बात छपी है कि हमारे पैट्रोलियम मिनिस्टर और प्राइम मिनिस्टर ने असम के मुख्यमन्त्री को एश्योरेंस दिया है कि अब कोई भी तेल वहां से बरौनी नहीं पहुंचेगा इसलिये मैं जानना चाहता हूं कि, यह अच्छी बात है कि यहां पर पैट्रोलियम मिनिस्टर भी हैं, वे इस बात की सफाई करें। अखबारों में बात आई है कि :

The Prime Minister, Mr. V. P. Singh, has given a categorical assurance to the Assam Chief Minister, Mr. Profulla Kumar Mohanta, that the Centre does not intend to pump out any additional quantity of excess crude oil from Assam.

यह बात साफ नहीं होती है कि एडिशनल कुछ भी वहां से नहीं निकलेगा, टोटल वहां जायेगा या क्या।

Mr. Mohanta *was,* give an assurance when he called on the Prime Minister on Saturday night. Mr. Singh also asked him to convey the Centre's stand on the issue of Assaw to the Assam Students Union which has

[श्री चतुरानन मिश्र]

launched an agitation to protest against the conspiracy to pump out excess crude to the Barauni refinery in Bihar. The Prime Minister poinetd out that the Union Petroleum Minister, Mr. M. S. Gurupadaswamy, has also announced at Gauhati that additional quantity of crude shall not be pumped out of the State.

मैं यह जानना चाहता हूं कि एडिशनल के मायने क्या हैं ? वहां से कोई भी तेल बरौनी नहीं आयेगा क्या ? बरौनी आयल रिफाइनरी बंद हो गई है क्या ? क्या कोई दूसरा समझौता दूसरा आश्वासन दिया ? मैं इसलिये भी इस सवाल को उठा रहा हूं कि बरौनी आयल रिफाइनरी की जो कैपेसिटी है वह 3.2 मिमलियन टन है । लेकिन इतना क्रूड आयल वहां कभी भी नहीं दिया गया, उसकी पूरी लाइफ में । एक दो साल को छोड़कर कभी भी सफिशियेंट कैपेसिटी में क्रूड आयल वहां नहीं दिया गया । मैं जानना चाहूंगा कि अभी क्या एश्योरेंस हमारे पेट्रोलियम मिनिस्टर ने और प्राइम मिनिस्टर ने दिया है । यह बात साफ होनी चाहिए । क्योंकि अगर कहीं ऐसी बात हुई कि असम का क्रूड आयल बिहार नहीं आ सकता है और बिहार का कोयला और स्टील दूसरी जगह नहीं जा सकता है तो फिर हम भारतीय क्या हैं, यह देश क्या है, यह हम जानना चाहेंगे ? वहां जैसा कि मैंने पहले कहा तीनों यूनिटें बंद हो गई हैं और सभी मजदूर बेकार हैं और इससे उस इलाके में भयंकर असन्तोष है । मैं सरकार से आग्रह करूंगा कि बिहार के लोग शांतिपूर्ण ढंग से आपके साथ सहयोग कर रहे हैं लेकिन इसका मतलब कमजोरी नहीं समझना चाहिये क्यों कि बिहार की यह सामर्थ्य है कि वह कुछ भी कर सकता है । इसलिये मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि इस सवाल पर सफाई करें कि इसका क्या मतलब है कि एडिशन क्वांटिटी आफ क्रूड वहां से नहीं मिलेगा और पंप आउट नहीं होगा । और एक्सेस क्रूड नहीं होगा और क्या फेट हमारी आयल रिफाइनरीज का होगा । इन बिन्दुओं को आप साफ कर दें कहीं ऐसा नहीं कि वहां हंगामा हो जाए और फिर हम लोग सफाई करते रहें । मंत्री महोदय से मैं अनुरोध करूंगा कि इस पर कुछ कहें ।

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal) Madam, I have a submission. We are having our lunch recess every day at 1.30 p.m. But at 1.30 p.m. when we go out for food, some of the canteens are closed because of the luncni recess. Therefore, I suggest... *(Interruption)*.

SHRI CHATUR ANAN M1SHRA: Let the hon. Minister react. Later on ...(Interruption)...because oil refineries are closed, canteens... *(Interruption)*.

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI M. S. GURUPADASWAMY): Madam,...(m~ *terruption)*.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Do you want to react?

SHRI SATYA PRAKASH MALAVI-YA (Uttar Pradesh): I also agree with that proposal.

AN HON. MEMBER: Is he reacting on the refinery issue or on the canteen issue?

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: I would like to say something on both the problems, proposals. *(InterruP' tion)*.

SHRI M. M. JACOB (Kerala): Before the Leader of the House reacts, I would like to mske this point. Generally, the General purposes Committee takes a view on the timings of these things.

THE DEPUTY CHAIRMAN; He is not reacting on that. He is reacting on oil. General Purposes has nothing to do with crude oil.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश): अगर रियेक्ट कर रहे हैं तो आयल पर मेरा भी स्पेशल मेंशन है । पहले पांच मिनट मुझे दे दीजिये, मेरा एकाध क्वैश्चन है जिसमें आपसे दो तीन बातें कहने वाला हूं ।

उपसभापति : आप शाम को कहिये । अभी मुझे हाऊस एडजर्न करना है ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : महोदया, मेरी पीडा यही है । पता नहीं आप का प्रेम हम से कुछ ज्यादा है या सेक्रेटेरियेट का है कि जब कभी हमारा स्पेशल मेंशन आता है तो हमारा नाम पीछे कर दिया जाता है । बिल्कुल, एक बार नहीं, मैंने बहुत बार देखा है। यह गलत है । आपने तीन स्पेशल मेंशन कांग्रेस के करा दिये हैं ।

उपसभापति : मैंने नहीं कराए ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : जिसने भी कराए हैं, मुझे नहीं मालूम ।

उपसभापति : आप बैठिए मैं उसका जवाब दूगां ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: मैं नहीं जानता कि प्रिसिडेंस कौन आदमी तय करता हैं लेकिन मेरा अनुभव यह है कि प्रिसिडेंस में जबूझ कर हमारा नाम पीछे डाला जाता है। एक बार नहीं, हजार बार, मैंने देखा है । एक ध बार तो मैंने पकड़ा भी है कि समय पर आने के बाद भी हमारा नाम पीछे डाल देते है । मुझ को शिकायत है, मेरी पीड़ा है । आप भी सुन लें और सेक्रेटेरियेट भी सुन ले ।

उपसभापति : जरूर आप मुझ से कहें मैं आपकी पीड़ा सुनती हूं । आप जरा बैठेंगे तो मैं बताऊंगी ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : आप मुझे शाम को बुलायेंगी ।

उपसभापति : नहीं, नही, आप बैठें तो मैं बताऊं । आपने एलीगेशन लगाया है, मैं उसका जवाब तो दूं ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : एलीगेशन नहीं है, मेरी पीड़ा है । एक बार नहीं, कई बार कहा है ।

उपसभापति : हिन्दी में बोल दूं तो यह पीड़ा है, दुख है, आपको तकलीफ है, शिकायत है । जो भी लफ्ज होगा मैं मानने के लिए तैयार हूं । अल्फाज के फेर में न पड़ें । यही बात मैंने चतुरानन मिश्र जी को लिख कर के भेजी है क्योंकि उनका नाम भी इसी विषय पर था जो मिस्टर अहलुवालिय का था ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मेरा स्पेशल मेंशन भी इसी विषय पर आज्ल पर हीं था जिस पर इनक था तो इसके साथ मुझे क्यों नहीं बुलाया गया ?

उपसभापति: आप जरा सुकून से बैठें ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : सुकून से तो मैं हमेशा रहता हूं, सुनता रहता हूं । जब आपकी तरफ से इनायत नहीं मिलती है . .

उपसभापति : मेरी इनायत तो आपको मिलेगी । मैं आपको यह बताऊं कि यह चेयर का काम नहीं है नम्बर लगाना कि किस का नम्बर पहल है और किस का दूसरा है । यह सेक्रेटेरियेट की बात है । आप मेरे थ्रू शिकायत कर सकते हैं ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : चेम्बर में मैंने देखा था । मेरा नाम टाप पर था । चेम्बर में जब आप भी मौजूद थीं और चेयरमैन साहब भी मौजूद थे । उन्होने दिखाया कि आपका पहला नाम है लेकिन अब मेरा नाम सातवां, आठवां दिया है ।

उपसभापति : मैं इस बात का जरूर पता लगाऊंगी कि कैसे आपका नाम बाद में आया । हम लोग किस तरीके से करते हैं वह एक बात मैं आपको बता दूं कि कि मुझे नहीं लगता है कि सेक्रेटेरियेट में कोई इन्सान आपके खिलफ होगा । मैं एक्सप्लेनेशन दे दूं क्योंकि हाऊस में आपने यह बात उठाई है। जो आज नोटिस आए हैं उनके नाम से जो कल के नाम पेंडिंग थे वह पहले आए हैं और जो आज आए हैं वह बाद में आए हैं और चतुरानन मिश्र जी को इसीलिए . .

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : हमेशा ऐसा होता रहा है कि पेंडिंग होने के बाद भी सुबह में जो पहले आता है उसका पहले गिना जाता है । ऐसा नहीं है कि मैं एक हफ्ता पहले

[श्री गगदोश प्रसाद माथुर]

डाल दूं । यह नहीं होगा । गलत है । यह उसी दिन माना जाएगा । अगर आपका कहना सही है तो जब आयल पर मेरा था और लगभग विषय में थोड़ा सा अन्तर है, जब खंडेरे साहब बोल रहे थे तो मुझे क्यों नहीं खड़ा किया गया । मुझे खड़ा करना चाहिये था ।

उपसभापति : देखिये, आपको झगड़ा करना हो तो दूसरी बात है ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मुझे झगड़ा नहीं करना है ।

उपसभापति : झगड़ा करना हो तो दूसरी बात है, आपको प्रोटेक्शन चाहिये तो दूसरी बात है । यह मेरे अख्तियार में नहीं है । यह मेरा जाब भी नहीं है कि लिस्ट बनाऊं । यह सेक्रेटेरियेट का काम है ।

Pleads don't speak to me this way. And whatever complaint you have, you will tell the Chairman. I adjourn the House for lunch.

The House then adjourned for lunch at thirty-five minute past one of the clock.

The House reassembled after lunch at thirty-five minutes past two of the clock, The Deputy Chairman in the Chair.

SPECIAL MENTIONS—Contd.

It convenience caused to members in Attending Parliament on Account of) security restrictions on roads

SHRIMATI JAYANTHI NATARA-JAN (Tamil Nadu): Madam, before you start the business, I want to raise an important matter.

I was trying to come to Parliament because I am the first speaker on the National Commission for Women Bill and I have to initiate the debate.

But while I was coming to Parliament, I was stopped near the Vijay Chowk and cars were being asked to move aside. I talked to those people and showed my identity also and said that I was going to Parliament to initiate a debate since the debate was going to start on it in the after-noon. But they were not allowing me and nobody was being allowed to move there and they are saying that the Prime Minister is going past that side some time in the future and therefore, they are not allowing us to move there! Does the Prima Minister want us to come to Parliament or not? Madam, I want you to bring this to the notice of the Government. It is a shame. I am not a security threat to the Prime Minister. Why are they clearing all the roads? I am not a security threat. If the Prime Minister does not want to hear our views, let him not come to Parliament. But why should we be prevented from coming to Parliament?

THE DEPUTY CHAIRMAN: That is all right. Now, Special Mentions. Prof. Chandresh P. Thakur. Absent. Yes, Mr. Mishra.

श्री चतुरानन मिश्र : मैडम, हमारे स्पेशल मेंशन का . . . (व्यवधान)

उपसभापति : वह मंत्री है नहीं ना, जवाब कैसे देंगे । आयें तो ।

श्री चतुरानन मिश्र : बाद में करवा लीजिएगा ।

उपसभापति : देखिये, एक बात हम नई प्रथा तो कोई नहीं डालेंगे, क्योंकि वह हमारे ही गले पड़ती है । कोई ऐसा तरीका नहीं है कि आपने स्पेशल मेंशन किया, तो मंत्री जवाब दें ।

I am not going to be a party to that. I want be a party to a new system. We have to maintain certain standards.

श्री चतुरानन मिश्र : हमने यह नहीं कहा कि आप ऐसा नियम बनाइये । जब वह लैग पर थे, तब आपने . . . (व्यवधान)